मां अंबिका स्वंय सहायता महिला बचत समूह

जीवन का प्रेरणा स्त्रोत बना बचत समूह

धार जिले के गांव बछड़ावदा की निवासी श्रीमती भारती विक्रम का विवाह अप्रैल 1987 में हुआ था। विवाह के 13 वर्ष पश्चात आरती को संयुक्त परिवार से अलग कर दिया गया जिसकी वजह से भारती के ऊपर परिवार का भरण पोषण करने की जिम्मेदारी आ गयी। सीमित अमदनी से दो छोटे छोटे बच्चों (एक लडका एवं एक लडकी) की परवरिश करना मुश्किल हो गया। भारती के पति एक स्कूल में चपरासी का काम करने लगे। उन्हें मात्र 300 रूपये वेतन मिलता था । भारती के पति इस कार्य के अलावा गांव में पानी का नल चालू करने का काम भी करने लगे जिससे उन्हें रूपये 1200 की अतिरिक्त आय होने लगी। इस प्रकार भारती को मात्र 1500 रूपये में अपना घर चलाना पडता था।

इसी दौरान गांव की बछड़ावदा दुग्ध सहकारी संस्था ने माह सितंबर 2003 में मां अंबिका स्वंय सहायता महिला बचत समूह का गठन किया। बचत समूह की उपयोगिता तथा अच्छाईयों से प्रेरित होकर भारती इस बचत समूह की सदस्य बन गई और हर माह रूपये 100 की बचत करने लगी।

पांचवी क्लास पास भारती ने अपनी आय में वृद्धि के लिए बछड़ावदा गांव के दीदी केन्द्र में छोटे छोटे बच्चों को सम्हालने का कार्य शुरू किया। इस कार्य से उन्हें रूपये 500 प्रति माह मिलने लगे। पर अभी भी बच्चों की शिक्षा हेतु पर्याप्त आमदनी नही हो पा रही थी। जनवरी 2004 में भारती ने अपने लडके की स्कूली शिक्षा हेतु रूपये 5000 का ऋण बचत समूह से लिया तत्पश्चात जुलाई 2004 में स्वास्थ खराब होने से गर्भाशय के आपरेशन हेतु रूपये 6 हजार का ऋण लिया । भारती ने वर्ष 2007 में बचत समूह के माध्यम से ही राष्ट्रीय महिला कोष से रूपये 10000 का ऋण लेकर एक गाय खरीदी तथा दुग्ध व्यवसाय प्रारंभ किया तथा गांव की बछड़ावदा दुग्ध सहकारी समिति को दूध देने से भारती को अब प्रति माह इस व्यवसाय से रूपये 2 हजार से ढाई हजार तक की आमदनी होने लगी।

दुग्ध उत्पादन से नियमित आय तथा बचत समूह में बचत करने से भारती की आर्थिक स्थिति सुधरने लगी। वर्ष 2008 में भारती ने कक्षा आठवीं पास की और गांव के स्कूल में पढ़ाने लगी जहां से उन्हें रूपये 1200 प्रति माह वेतन मिलने लगा। अब भारती की खुशियों की कोई सीमा नहीं थी परन्तु इसी मध्य उनके पति को हार्ट अटैक आ जाने से इन्हें फिर पति के इलाज हेतु रूपये 10 हजार का ऋण बचत समूह से लेना पड़ा। इसी बीच बचत समूह की बैठक में इदौर दुग्ध संघ के अधिकारियों द्वारा भारती को विधायक कोटे से दी जाने वाली आर्थिक मदद के बारे में जानकारी दी। भारती ने स्थानीय विधायक एवं जिला कलेक्टर से मुलाकात की तथा प्राप्त राशि से अपने पति की हार्ट सर्जरी कराई।

वर्ष 2010 में भारती ने 10वीं कक्षा पास की। भारती का लक्ष्य आगे और पढना है। ग्राम बछडावदा का मां अबिका स्वंय सहायता महिला बचत समूह तथा दुग्ध सहकारी समिति इनकी प्रेरणा का स्त्रोत बन गया है जिसके माध्यम से भारती अपने पति को बचा पाई तथा बच्चों को भी पढा रही है। अब शाम के खाली वक्त में वे गांव के महिलाओं को भी अक्षर ज्ञान करवा रही है। भारती आज अपने पति एवं बच्चों के साथ बेहद खुश है।